



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 170

प्रयागराज, शुक्रवार 23 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

पाकिस्तान, कतर, तुर्किये, और इंडोनेशिया मिलकर हथियार बनाएंगे, चारों देशों के बीच करार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया अब मिलकर हथियार बनाएंगे। चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में बद्र समझौता किया। इसके तहत हथियारों का साझा उत्पादन, सैन्य तकनीक का लेनदेन और रक्षा क्षेत्र में ट्रेनिंग और रिसर्च की जाएगी। मक्का पैक के बाद पाकिस्तान की मुस्लिम बहुल देशों के साथ यह बढ़ती साझेदारी क्षेत्र में नए रक्षा समीकरण बना सकती है। इसका मकसद हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता घटाना और अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना है। कतर के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस समझौते का मकसद चारों देशों की हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाना और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग मजबूत करना है। इसके तहत चारों देश अपने संसाधनों,



जानकार अर्दा मेवलुतोर्गु के मुताबिक, चारों देशों की अपनी-अपनी ताकत है। तुर्किये के पास हथियार बनाने की आधुनिक तकनीक, सैन्य सिस्टम तैयार करने का अनुभव और मजबूत रक्षा उद्योग है। पाकिस्तान और

इंडोनेशिया के पास हथियार बनाने की क्षमता, लेबर और बड़े घरेलू बाजार हैं। वहीं, कतर के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटिजिक स्टडीज के रिसर्च एसोसिएट अल्बर्ट विडाल के मुताबिक, पाकिस्तान और इंडोनेशिया तुर्किये के हथियार खरीदने के साथ उनका कुछ हिस्सा अपने देश में भी बनाना चाहते हैं। इससे तुर्किये की कंपनियों को लंबे समय तक ऑर्डर मिल सकते हैं और उत्पादन की लागत घट सकती है। वहीं, पाकिस्तान और इंडोनेशिया में रोजगार के नए मौके बन सकते हैं। कतर इसमें निवेश के जरिए मदद कर सकता है। पहले से चल रही रक्षा साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा- तुर्किये का रक्षा उद्योग दुनिया के विकसित रक्षा उद्योगों में शामिल है। वह पहले से ही कतर, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के साथ अलग-अलग रक्षा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कुवैत के झंडे वाले तेल टैंकर एम/टी अल दसमा पर बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। जहाज पर 21 भारतीय नाविक समेत बाकी क्रू मेंबर भी सवार थे। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। सभी भारतीय नाविक और बाकी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमले की यह पांचवीं घटना है। इन हमलों में अब तक 11 भारतीय घायल हुए हैं और 2 भारतीय लापता हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने व्यापारिक जहाजों और उन पर काम करने वाले नाविकों पर हमलों को लेकर कई बार चिंता जताई है। भारत ने व्यापारिक जहाजों पर हमलों को कानूनी और नैतिक, दोनों लिहाज से गलत बताया है। सरकार का कहना है कि समुद्र में काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा और समुद्री

होर्मुज में जहाज पर हमला, 21 भारतीय सवार थे, अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर 5 हमले हुए



हमले तुरंत रोकने को कहा- विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों, नाविकों और आम लोगों के इस्तेमाल वाले बुनियादी ढांचे पर हमले तुरंत रोकने की अपील की है। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है। सरकार के

मुताबिक, भारतीय नाविकों से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके लिए जहाजों का संचालन करने वाली कंपनियों के साथ संपर्क बनाए रखा जा रहा है ताकि नाविकों की आवाजाही घटी-सुरक्षा और उनकी भलाई सुनिश्चित की जा सके। होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराकर जहाज डूबा-होर्मुज स्ट्रेट में एक जहाज समुद्री बारूदी सुरंग से टकराकर डूब गया। जहाज में 2500 कंटेनर थे। ईरान की रिपोर्ट के मुताबिक, टकरा के बाद जहाज में आग लग गई थी। रॉयटर्स के मुताबिक दुबने वाले जहाज का नाम जीएफएस

प्राइड है। यह सिंगापुर के झंडे के तहत चल रहा था और इसमें एक बार में 2,824 कंटेनर ले जाने की क्षमता थी। जहाज का कामकाज यूएई की एक कंपनी के पास था। जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब बारूदी सुरंग से टकराकर कोई जहाज डूबा है। जंग के बाद होर्मुज से जहाजों की आवाजाही घटी-अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमले शुरू करने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ईरान ने इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर पाबंदियां लगाई हैं और कई जहाजों पर हमले भी हुए। इसके चलते कई शिपिंग कंपनियां इस रास्ते से जहाज भेजने से बच रही हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, 7 अक्टूबर को होर्मुज के मुताबिक, टकरा के बाद जहाज में आग लग गई थी। रॉयटर्स के मुताबिक दुबने वाले जहाज का नाम जीएफएस

फ्रांस में हिंसक आंदोलन के बीच भारतीयों के लिए एडवाइजरी, भीड़ से दूर रहने की सलाह, कल के प्रदर्शन से पहले भारी पुलिस तैनात

पेरिस। फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों और कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रहने और घूमने गए भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने, प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ से दूर रहने को कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री सों बॉं स्टिगनान लैकोर्नू ने 24 अक्टूबर को होने वाले नए प्रदर्शनों से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात करने को कहा है। पेरिस में भारतीय दूतावास ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि फ्रांस में हाल के घटनाक्रम और कुछ इलाकों में कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सावधानी बरतें। वे उन



निर್ದेशों का पालन करें। दूतावास ने भारतीयों से अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में रुकावट की जानकारी लेते रहने को कहा है। आपात स्थिति में मदद के लिए पेरिस में भारतीय दूतावास और मार्सेई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए

हैं। फ्रांसीसी सरकार बोली-हिंसा रोकने में नाकाम रहे-फ्रांस में बढ़ती महंगाई और स्कूलों की खराब स्थिति को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले कई दिनों से जारी हिंसा के बाद सरकार ने कुछ इलाकों में कर्फ्यू बढ़ा दिया है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनैज ने माना कि अधिकारियों ने हिंसा की गंभीरता का सही अंदाजा नहीं लगाया था। उन्होंने माना कि 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों के दौरान कुछ शहरों में हालात प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो गए थे। 2500 से ज्यादा लोग हिरासत में-महंगाई और सरकारी सुविधाओं में कमी के खिलाफ 17 अक्टूबर को 8 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाक छोड़ यूरोप के देशों में बस रहे अफसर, रक्षा मंत्री बोले- नौकरी में रहते ही भागने का प्लान बना रह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई बड़े सरकारी अधिकारियों ने विदेशों में घर बसा लिया है।

में मदद करने का दावा कर रहा था। उसने कई प्रभावशाली अधिकारियों से बड़ी रकम वसूली

जुटाने के मौके भी मिले। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसे अधिकारी पाकिस्तान को अपना



रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने आरोप लगाया है कि इन अधिकारियों ने नौकरी में रहते हुए ही यह प्लान बना लिया था। उनमें मुताबिक, इन अधिकारियों ने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के दूसरे देशों में स्थायी रूप से बसने की तैयारी की थी। पिछले कुछ सालों में पुर्तगाल ऐसे अधिकारियों के लिए पसंदीदा ठिकाना बनकर उभरा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, आसिफ ने कहा कि विदेश में बसने की योजना बनाने वाले कई अधिकारी सरकार में अहम पदों पर रह चुके हैं। ख्वाजा आसिफ ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति पाकिस्तानी सरकारी अधिकारियों को पुर्तगाल में स्थायी निवास (पीआर) दिलाते

और फिर फरार हो गया। रक्षा मंत्री के मुताबिक, इस मामले में जिन अधिकारियों के नाम सामने आए हैं, वे अलग-अलग सरकारों में अहम पदों पर रह चुके हैं और प्रभावशाली लोगों से उनके करीबी संबंध रहे हैं। हालांकि, आसिफ ने न तो अधिकारियों के नाम बताए और न ही ठगी की रकम का खुलासा किया। आसिफ ने अधिकारियों की वफादारी पर सवाल उठाए-आसिफ ने सवाल उठाया कि सरकारी पदों पर रहते हुए सुविधाएं और सम्मान पाने वाले अधिकारी पाकिस्तान के प्रति कितने वफादार रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि वृद्ध आधिकारियों को राजनीतिक नेताओं की नजदीकी के कारण वैध और अवैध तरीकों से संपत्ति

स्थायी घर मानते हैं या फिर विदेश जाने से पहले इसे केवल एक पड़ाव समझते हैं। पूर्व भारतीय सुरक्षा सलाहकार ने भी चिंता जताई-पाकिस्तान मामलों के एक्सपर्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व सदस्य तिलक देवशर ने भी आसिफ के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान में कुछ गंभीर रूप से गलत हो रहा है। देवशर ने रक्षा मंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा कि बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों ने नौकरी में रहते हुए ही विदेश जाने की तैयारी कर ली थी। उन्होंने पुर्तगाल को पाकिस्तानी नौकरशाही के विदेश जाने का नया पसंदीदा ठिकाना बताया।

'बिस्मिल्लाह से ले तेनैब्रे' फ्रांस के आंदोलन का नारा बना, जेनज़ी पुलिस को चिढ़ा रहे

पेरिस। फ्रांस के छात्र आंदोलन में एक अजीब-सा नारा 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे' वायरल हो गया। जेनज़ी छात्र पुलिस को चिढ़ाने के लिए इस नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वाक्य का मतलब क्या है? 'बिस्मिल्लाह (अरबी): अल्लाह के नाम पर से ले तेनैब्रे (फ्रेंच): यह अंधकार है, दोनों को मिलाकर इसका मोटा-मोटा अर्थ 'अल्लाह के नाम पर यह अंधकार है' निकलता है। हालांकि, यह फ्रांसीसी भाषा का कोई वाक्य नहीं है। इसकी अटपटी बनावट और अजीब शब्दों के मेल की वजह से लोग इसका मजाक उड़ा रहे हैं। भारत में भी जुलाई में छात्र आंदोलन के दौरान 'वास्तेगुना हुइया' स्लैंग चर्चित हुआ था। इसका भी कोई खास मतलब नहीं था। यह वायरल हुए अंग्रेजी वाक्य



'केन आई गेट ए होया' का बिगड़ा हुआ रूप था। स्नैपचैट से फेमस हुआ नारा-न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह नारा सबसे पहले सोशल मीडिया स्नैपचैट पर इस्तेमाल किया था। एक व्यक्ति ने पिछले महीने छात्र प्रदर्शन आयोजित करने वालों के प्राइवेट चैट ग्रुप में शामिल होने

के लिए स्नैपचैट पर कुछ लोगों को मैसेज भेजे। उसने लिखा, 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे'। इसके बाद उसने कहा, 'हम सब कुछ तोड़ देंगे।' उसने अलग-अलग नामों से कई प्रोफाइल बनाकर ये मैसेज भेजे। इनमें मामादू और अब्देल्लाह जैसे नाम शामिल थे। कुछ प्रोफाइल पर अल्जीरिया के झंडे वाले इमोजी भी लगे थे। मैसेज की भाषा और अंदाज कुछ स्नैपचैट यूजर्स को अजीब और मजेदार लगे। उन्होंने इन मैसेज के स्क्रीनशॉट लिए और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। इसके बाद यह वाक्य चर्चा में आ गया। युवाओं को लगा पुलिस ने ही यह मैसेज भेजा है-कई युवाओं को शक हुआ कि ये मैसेज पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने भेजे हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत-पाक के ठगों ने मिलकर कनाडाई बैंकों को लूटा, एआई से फर्जी पासपोर्ट बनाकर खाते खुलवाए, क्रेडिट कार्ड की लिमिट खत्म होते ही हुए गायब

लाहौर/ओटावा। पाकिस्तान के 3 नागरिकों और कनाडा में रहने वाले 4 भारतीयों पर कनाडा के बैंकों से धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एन.सी.सी.आई.ए) के मुताबिक,



आरोपियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से फर्जी पासपोर्ट और तस्वीरें बनाकर बैंक खाते खुलवाए। इसके बाद क्रेडिट कार्ड हासिल किए, उनकी पूरी लिमिट खर्च की और गायब हो गए। मामले में तीन पाकिस्तानी आरोपियों को 19 अक्टूबर को लाहौर से गिरफ्तार किया गया है। एन.सी.सी.आई.ए के अतिरिक्त निदेशक आतिफ अमीर के मुताबिक, कनाडा में मौजूद चार भारतीयों ने कथित तौर पर एआई से तैयार किए गए पासपोर्ट और फोटो पाकिस्तान में अपने साथियों

सिंह, हरप्रीत सिंह और गुरलीन सिंह बताए गए हैं। एन.सी.सी.आई.ए के अतिरिक्त निदेशक आतिफ अमीर के मुताबिक, कनाडा में मौजूद चार भारतीयों ने कथित तौर पर एआई से तैयार किए गए पासपोर्ट और फोटो पाकिस्तान में अपने साथियों

को भेजे। इसके बाद पाकिस्तान में मौजूद संदिग्धों ने इन दस्तावेजों से कनाडा के बड़े बैंकों में ऑनलाइन खाते खुलवाए। आरोपियों ने अपनी विवाह और ब्राउजर की पहचान छिपाने के लिए डॉल्फिन एंटी नाम के एंटी-डिटेक्ट ब्राउजर का इस्तेमाल किया। इससे वे ऑनलाइन पहचान की जांच से बचने की कोशिश कर रहे थे। भारतीयों पर कार्रवाई की जानकारी नहीं- एन.सी.सी.आई.ए के मुताबिक, पाकिस्तान में गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों के पास से जांच से जुड़े सबूत मिले हैं। एजेंसी मामले की जांच कर रही है। कनाडा में रहने वाले चार भारतीय आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की स्थिति अभी साफ नहीं है। अभी यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है कि धोखाधड़ी में कितने कनाडाई बैंकों को निशाना बनाया गया और कुल कितने पैसे का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी की ओर से मामले के और जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कनाडा में बैंकिंग फ्रॉड करने पर कितनी सजा? कनाडा में फर्जी दस्तावेजों से बैंक खाते खुलवाना और धोखे से पैसे या क्रेडिट हासिल करना अपराध है।

पहली बार ड्रोन से घायल सैनिक का रेस्क्यू, यूक्रेनी सैनिक डेढ़ साल से बारूदी सुरंगों में फंसा था

कीव। दुनिया में पहली बार एक घायल सैनिक का ड्रोन से रेस्क्यू किया गया। कोस्ट्यातिन क्लासेंको नाम का यूक्रेनी सैनिक 491 दिनों से सीमा पर फंसा हुआ था। चारों तरफ रूसी सैनिकों का खतरा था। जमीन पर बारूदी सुरंगें बिछी थीं और आसमान में मंडराते ड्रोन पर नजर पड़ते ही जान जाने का डर था। वह न तो आसानी से वहां से निकल सकता था और न ही कोई उसे बचाने पहुंच पा रहा था। ऐसे में



इस्तेमाल किया गया। रूसी हमले में दोस्त मारा गया, खुद घायल हुए- कोस्ट्यातिन

रेस्क्यू, यूक्रेनी सैनिक डेढ़ साल से बारूदी सुरंगों में फंसा था

बुरी तरह जख्मी हो गए। क्लासेंको को तुरंत इलाज की जरूरत थी, लेकिन उस जगह तक डॉक्टरों का पहुंचना बेहद मुश्किल था। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके दाहिने पैर में गैंग्रीन फैल गया। पैर सड़ा तो खुद ही चाकू से काटकर अलग किया- इस बीमारी में शरीर का प्रभावित हिस्सा सड़ने लगता है। इलाज न मिलने और हालत बिगड़ने के कारण क्लासेंको ने अपना पैर खुद काटकर अलग कर दिया। घायल

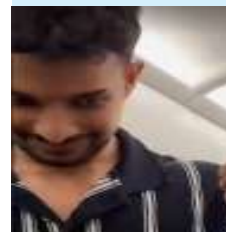
बैंकोंक से मुंबई की एअर इंडिया की फ्लाइट वापस लौटी, भारतीय यात्री ने हंगामा किया था

बैंकोंक। बैंकोंक से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2338 को एक यात्री के



हंगामे के चलते लौटना पड़ा। विमान ने बुधवार रात 8:20 बजे बैंकोंक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इसके बाद यात्री के अजीब व्यवहार के कारण पायलट ने विमान को

भी घटना पर आधिकारिक बयान नहीं आया है। बैंकोंक में फ्लाइट में हंगामा करने पर क्या सजा?



वापस ले जाने का फैसला किया। विमान रात 10:40 बजे बैंकोंक एयरपोर्ट पर उतर गया। विमान में सवार एक यात्री ने भास्कर को बताया कि विमान में सवार एक भारतीय यात्री अजीब तरीके से पेश आ रहा था और हंगामा कर रहा था। हालात को देखते हुए पायलट ने घोषणा की कि विमान को वापस बैंकोंक ले जाया जा रहा है। विमान के बैंकोंक में उतरने के बाद मेडिकल टीम पहुंची और यात्री को अपने साथ ले गई। फिलहाल यात्री के इस तरह व्यवहार करने की वजह और उसकी तबीयत के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। इसके 45 मिनट बाद फ्लाइट ने बैंकोंक से मुंबई के लिए उड़ान भरी। एअर इंडिया की ओर से

हालात है, तो मामला गंभीर हो सकता है। ऐसी स्थिति में पायलट को विमान वापस ले जाने का फैसला भी लेना पड़ सकता है। विमान में होने वाले अपराधों से निपटने के लिए 1963 में टोक्यो कन्वेंशन हुआ था। यह अंतरराष्ट्रीय समझौता विमान के अंदर अपराध या अनुशासन बिगाड़ने वाली घटनाओं से जुड़े अधिकारों और जिम्मेदारियों को तय करता है। 8 सितंबर को दुबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में एक यात्री ने इमरजेंसी एजिजेंट गेट खोलने की कोशिश की थी। क्रू मेंबर ने उसे रोक लिया था। जयपुर एयरपोर्ट पर विमान उतरने के बाद यात्री को सुरक्षा एजेंसियों के हवाले कर दिया गया था। यह घटना फ्लाइट नंबर आईएक्स-196 में हुई थी। यात्री की हकत से विमान में हड़कंप मच गया था। क्रू मेंबर ने कड़ी मशकत के बाद उसे रोका था।

होने के बाद भी सैनिक को पूरी तरह अकेला नहीं छोड़ा गया था। यूक्रेनी सेना ड्रोन से उसके लिए खाना, पानी और दवाएं भेजती थी। हर 4-5 दिनों में सामान उसके ठिकाने के पास गिराया जाता था। सैनिक रेंगकर वहां पहुंचता और जरूरत का सामान उठाता था। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी इसी मदद के सहारे वह दुश्मन के बीच अपनी जान बचाए रहा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

शिक्षक एमएलसी चुनाव में श्रीचंद शर्मा के पंकज सिंह ने किया जनसंपर्क, शिक्षकों से मतदान की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। के एमटी यूनिवर्सिटी

भागीदारी करने तथा अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से

समर्थन में विधायक मतदान की अपील

उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मताधिकार का



में पहुंचकर शिक्षकों से की मुलाकात, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। शिक्षक विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव को लेकर नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह ने आज एमटी यूनिवर्सिटी का दौरा कर शिक्षकों से संवाद किया और भाजपा प्रत्याशी श्री श्रीचंद शर्मा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व में बढ़-चढ़कर

प्रयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पंकज सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। शिक्षकों की भूमिका केवल विद्यार्थियों को शिक्षित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे देश के भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। शिक्षक विधान परिषद में योग्य एवं समर्थित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक शिक्षक का मत महत्वपूर्ण है।

प्रयोग अवश्य करें और अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं। कार्यक्रम में डायरेक्टर बलविवर शुक्ला, गुरजेन्द्र सिंह, राजीव बंसल, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, सुशील शर्मा, संजय बाली, महेश अवाना, डिपल आनंद, करतार चौहान, विपुल शर्मा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

14 साल बाद अयोध्या में श्रीराम राज्याभिषेक का भव्य मंचन, दीप जलाकर और मिठाइयां बांटकर मनाई खुशियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बुधवार को सेक्टर-110

नगरवासियों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाई और दीप

प्रसंग के साक्षी बने। रामराज्य के आदर्शों का दिया संदेश-



स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में बुधवार को भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का भावपूर्ण मंचन किया गया। 14 वर्ष के वनवास और रावण पर विजय के बाद अयोध्या लौटे प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक का दृश्य देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा वातावरण भक्ति, उल्लास और उत्साह से सराबोर हो गया। भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन और राज्याभिषेक की खुशी में

जलाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। दीपों की रोशनी और जय श्रीराम के जयघोष से उत्सव का माहौल और भी आनंदमय हो उठा। इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा राहुल भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे। महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रामलीला के मंचन का आनंद लिया और इस पावन

विरोधी को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने आचरण में सत्यनिष्ठा, न्यायप्रियता और मानवीय मूल्यों को अपनाते में निहित है। रामराज्य की परिकल्पना एक ऐसे समाज की प्रेरणा देती है, जहां सभी के प्रति समान भाव, न्याय और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव धार्मिक आस्था, भारतीय सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सहभागिता का सुंदर संगम बन रहा है।

महागुन मायबुइस की डांडिया नाइट में बवाल! युवकों के बीच मारपीट से मचा हड़कप, पुलिस ने संभाला मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ग्रेटर नोएडा। महागुन मायबुइस

ले लिया। इस दौरान युवकों और निवासियों के बीच तीखी नोकझोंक



सोसायटी में आयोजित डांडिया नाइट्स का उत्सवी माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब कार्यक्रम के दौरान कुछ युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला कहासुनी से आगे बढ़ा और मारपीट की नौबत आ गई। घटना से कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त समाचार के अनुसार, सोसायटी के पार्क एरिया में डांडिया कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों और स्थानीय निवासियों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि कार्यक्रम में शामिल कुछ युवकों ने महिलाओं और अन्य लोगों के वीडियो बनाने शुरू कर दिए, जिसको लेकर आपत्ति जताई गई। वीडियो बनाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। वीडियो बनाने को लेकर बढ़ा विवाद- बनाया गया कि वीडियो बनाए जाने का विरोध करने पर विवाद ने उग्र रूप

हूई और मारपीट की स्थिति पैदा हो गई। घटना को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करारा शांत-मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति नियंत्रित की। पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी जुटाई और विवाद के कारणों को लेकर पूछताछ की। समय रहते हस्तक्षेप के बाद कार्यक्रम स्थल पर स्थिति सामान्य कराने का प्रयास किया गया। इस घटना ने आवासीय सोसायटियों में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, महिलाओं की निजता और अनुशासन बनाए रखने को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। उत्सव और मनोरंजन के आयोजनों में आपसी सम्मान तथा नियमों का पालन जरूरी है, ताकि खुशी का माहौल किसी विवाद में न बदल जाए।

गरबा महोत्सव में नन्हे-मुन्नों ने बिखेरा जलवा, जान्हवी शुक्ला को मिला प्रथम पुरस्कार, बचपन शिशु वाटिका के बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का जीता दिल, डायरेक्टर रंजना चौबे अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरदुआ। बुधवार को

उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। बच्चों की उत्कृष्ट



भवानीपुर स्थित जय बजरंग स्पोर्टिंग क्लब के तत्वाधान में आयोजित भव्य डांडिया गरबा महोत्सव में बचपन शिशु वाटिका प्ले स्कूल, भवानीपुर, शिवपुर के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने अपनी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की शानदार नृत्य प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महोत्सव में विद्यालय की डांस शिक्षिका जान्हवी शुक्ला को उत्कृष्ट निर्देशन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता रानी के पंडाल में विधि-विधान से कन्या पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर कन्याओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा उपहार स्वरूप लंच बॉक्स प्रदान किए गए। धार्मिक आस्था, पारंपरिक संस्कृति और उत्साह से सराबोर महोत्सव में बच्चों ने अपनी प्रतिभा, नृत्य कौशल और मनमोहक प्रस्तुतियों से

सांस्कृतिक प्रस्तुति और विद्यालय के योगदान को देखते हुए



आयोजन समिति ने बचपन शिशु वाटिका की डायरेक्टर रंजना चौबे को अंगवस्त्र, पुष्पमाला एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, बच्चों को आकर्षक नृत्य प्रस्तुति के लिए तैयार करने और बेहतर मार्गदर्शन देने के

लिए डांस शिक्षिका जान्हवी शुक्ला को प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी प्रदान की गई। महोत्सव ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ भारतीय लोकसंस्कृति और पारंपरिक नृत्य के प्रति उनकी रुचि को भी प्रोत्साहित किया।

इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, रचनात्मकता और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर रंजना चौबे ने जय बजरंग स्पोर्टिंग क्लब, भवानीपुर के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा-सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान 'नारी का सम्मान, सुरक्षा की पहचान- सोनभद्र पुलिस का यही अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान

किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों



एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेक्स टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने व साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। अक्टूबर माह में विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक। अक्टूबर माह में संचालित विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्विटर/इन्स्टाग्राम/फेसबुक, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटोपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देते तथा आधिकारिक वेबसाइट 'सीमसूदन' पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर:-112 - आपातकालीन पुलिस सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपील: महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन - सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र'।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी में भगवान रामचंद्र का राज्याभिषेक के साथ रामलीला का हुआ समापन, राज्य अभिषेक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश हरिश्चंद्र भाटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के 11वें दिन यानी बुधवार को राम, सीता और लक्ष्मण के वनवास पूर्ण कर अयोध्या वापसी तथा भरत जी द्वारा भैया राम का अयोध्या में स्वागत करना और प्रभु राम जी का राज्याभिषेक तिलक होना, कैकेई एवं मंथरा का पक्षपात की लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश हरिश्चंद्र भाटी ने रामलीला के आयोजन कर्ताओं को सफल रामलीला मंचन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि रामलीला एक ऐसा मंचन है जिससे प्रत्येक व्यक्ति को कुछ ना कुछ सीख मिलती है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय अग्रवाल ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने कलाकारों एवं

रामलीला आयोजन समिति के सदस्यों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिराज अग्रवाल और उनकी टीम ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, सीएमडी, प्रिया गोयल, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, श्रीमती पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं पंडित कृष्ण स्वामी संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल, संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंह, पीयूष गोयल कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह, अरुण चौहान, शरद मिश्रा, मनोज गोयल, कर्ण गर्ग, उसके शुक्ला, डॉ एसपी जैन, विशाल शर्मा, प्रवीण गुप्ता, अकिंत यादव, विजेंद्र सिंह, राजीव शर्मा, मनोज शर्मा, विवेक चौहान, हरीश शर्मा, आशु गुप्ता, ज्ञानेंद्र शर्मा, जितेंद्र चतुर्वेदी, उसके अग्रवाल, पवन चावला, कुलदीप कटारिया, राकेश सिंह, नरेंद्र गुप्ता, महावीर गोयल, सुभाष शर्मा मनीष अग्रवाल, सत्येंद्र शर्मा, संदीप विरमानी, गौरव गुप्ता आदि मौजूद थे।

गोयल, शेषनाथ मिश्रा, गौरव यादव, रामवीर यादव, मुकेश शर्मा पीयूष गोयल कार्तिक मिश्रा आदि मौजूद थे। इसके अलावा संजय अवाना, संजय बजाज, आकाशदीप गुप्ता, सत्येंद्र सिंह, अरुण बंसल, सुखपाल सिंह सुरेंद्र कुमार राजपूत दीपक बंसल दिनेश बंसल सुरेंद्र चौहान, नितिन गुप्ता, प्रमोद पाठक, संजय गुप्ता, शरद मिश्रा, मनोज गोयल, कर्ण गर्ग, उसके शुक्ला, डॉ एसपी जैन, विशाल शर्मा, प्रवीण गुप्ता, अकिंत यादव, विजेंद्र सिंह, राजीव शर्मा, मनोज शर्मा, विवेक चौहान, हरीश शर्मा, आशु गुप्ता, ज्ञानेंद्र शर्मा, जितेंद्र चतुर्वेदी, उसके अग्रवाल, पवन चावला, कुलदीप कटारिया, राकेश सिंह, नरेंद्र गुप्ता, महावीर गोयल, सुभाष शर्मा मनीष अग्रवाल, सत्येंद्र शर्मा, संदीप विरमानी, गौरव गुप्ता आदि मौजूद थे।

देश प्रथम पार्टी का आधिकारिक शुभारंभ, लोकतांत्रिक हिंदू राष्ट्र की स्थापना का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। देश की राजनीति में नई वैचारिक पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से आज दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में देश प्रथम पार्टी के आधिकारिक शुभारंभ के अवसर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राजेश कालिया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए पार्टी की विचारधारा, ऐतिहासिक प्रेरणा और भविष्य के राजनीतिगत संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रहित में निर्णय, जनहित में विकास, अधिवक्ता राजेश कालिया ने कहा कि देश प्रथम पार्टी का संकल्प है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और जनसंघ की राष्ट्रवादी वैचारिक विरासत को नए सिरे से जन-जन तक पहुंचाया जाए। पार्टी

उपयोग की प्रक्रिया संबंधित निर्वाचन नियमों के अधीन होगी। पार्टी के अनुसार, लोकतांत्रिक हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को आगे बढ़ाने के लिए जनसंवाद, संवैधानिक प्रक्रियाओं और जनता की भागीदारी को महत्व दिया जाएगा। पार्टी भारत की सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक विचारों के प्रति प्रतिबद्ध है। अधिवक्ता राजेश कालिया ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य और समाज की दिशा से जुड़े



इस विचारधारा को वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनसंघ के ऐतिहासिक चुनाव चिह्न 'दीपक' का भी उल्लेख किया गया। राजेश कालिया ने कहा कि दीपक प्रकाश, जागरूकता और वैचारिक चेतना का प्रतीक है। पार्टी इसी भावना के साथ राष्ट्रहित आधारित राजनीति को मजबूत करने और नागरिकों के बीच अपनी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करेगी। चुनाव चिह्न के आधिकारिक आवंटन एवं

महत्वपूर्ण प्रश्नों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। देश प्रथम पार्टी इसी सोच के साथ अपनी संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार करेगी और जनता के बीच अपनी वैचारिक पहचान स्थापित करने की दिशा में काम करेगी। देश प्रथम पार्टी का यह शुभारंभ भारतीय राजनीति में एक नए वैचारिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की पहल है। पार्टी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को अपनी प्रेरणा बताते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना, जनसंघ की वैचारिक

विरासत और भारत को लोकतांत्रिक रूप से हिंदू राष्ट्र बनाने के संकल्प को अपनी राजनीतिक यात्रा का प्रमुख आधार घोषित किया।

एसडीआरएफ जवान पंकज तिवारी राष्ट्रीय सेपक टकरा चैम्पीयनशीप के लिए चयनित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) तमबुलूही रोड/बुशरी नगर।

पंकज तिवारी कुशीनगर जनपद के दूदही विकास खण्ड के ग्राम

टकरा टीम में हुवा है। पंकज तिवारी को राष्ट्रीय चैम्पीयन शीप



बुशरी नगर वेंड लाल यूपीएसडीआरएफ के जवान पंकज तिवारी का चयन राष्ट्रीय सेपक टकरा चैम्पीयनशिप में होने पर क्षेत्रीयजनो सहित विभाग में खुशियों की लहर है पंकज तिवारी ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आगामी 30 अक्टूबर से 03 नवंबर तक उत्तर प्रदेश सेपक टकरा टीम के तर्फ से खेल का प्रदर्शन करेंगे। यूपी एस डी आर एफ के जवान

पंचायत सरगटिया करन पट्टी के निवासी हैं उनके बड़े भाई धनंजय तिवारी प्रधान संघ दूदही के महामंत्री हैं। यूपी एस डी आर एफ जवान पंकज तिवारी फिलहाल लखनऊ में तैनात हैं वे पिछले दिनों 16 व 17 अक्टूबर में महाराष्ट्र में सीनियर ओपेन स्टेल में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर कास्य पदक बिजेता हुए थे जिसके बाद उनका चयन उत्तर प्रदेश सेपक

में चयन होने पर भाजपा नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमचंद्र मिश्रा, प्रमुख धनंजय तिवारी, बरिष्ठ पत्रकार व कवि मनंजय तिवारी, अनिल यादव, उमेश तिवारी, दिनेश दीक्षित, धर्मेन्द्र सिंह, प्रदीप गुप्ता, हरिशंकर तिवारी, नसीब अंसारी, गोविन्द प्रसाद, भीष्म प्रसाद सहित तमाम लोगो ने बधाई देते हुए पंकज के उज्जल भविष्य की कामना किया है।

जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य अशोक कुमार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) के संयोजक डॉ. प्रमोद शर्मा ने प्रयागराज। जननायक कर्पूरी

उक्त जानकारी देते हुए बताया

नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में



ठाकुर विचार मंच के तत्वावधान में कल, 23 अक्टूबर 2026 को सायं 4 बजे अरैल स्थित गंगा कुटीर गेस्ट हाउस में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री अशोक कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम

कि जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक सरोकारों, पिछड़े वर्गों के हितों तथा जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों और सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान पर संवाद स्थापित करना है।

इस अवसर पर सामाजिक एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। डॉ. शर्मा ने सभी प्रबुद्ध

सहभागिता करने की अपील की। कार्यक्रम का विवरण, दिनांक: 23 अक्टूबर 2026 शुक्रवार,

समय: सायं 4:00 बजे, स्थान: गंगा कुटीर गेस्ट हाउस, अरैल, नैनी,

प्रयागराज, आयोजक: जननायक कर्पूरी ठाकुर विचार मंच कार्यक्रम संयोजक: डॉ. प्रमोद शर्मा ने यह जानकारी दी।

विधान परिषद निर्वाचन में मताधिकार के प्रयोग हेतु 23 अक्टूबर को पात्र कर्मचारियों को मिलेगा विशेष आकस्मिक अवकाश - डीएम

लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के मतदाताओं को मतदान हेतु विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमत्य- जिला निर्वाचन अधिकारी (आधुनिक समाचार नेटवर्क) निर्देश दिए गए हैं। इसके क्रम में रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला

जनपद के ऐसे सभी कर्मचारी,



निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत शासन द्वारा मतदान दिवस पर विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमत्य किए जाने के

जो विश्वविद्यालय के स्नातक हैं तथा खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचनों हेतु बोनाफाइड मतदाता हैं, उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान दिवस 23 अक्टूबर 2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमत्य किया गया है।

डीएम की अध्यक्षता में जनगणना के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण को लेकर बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

रखने पर जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने निर्देश दिया



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में जनगणना के द्वितीय चरण के पूर्व आयोजित होने वाले प्रशिक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण

कि प्रशिक्षण में शामिल होने वाले सभी कार्मिकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी कर्मी महत्वपूर्ण



समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी जनगणना कार्य को पूरी शुचितता, समयबद्धता और कुशलता के साथ संपन्न कराने के लिए रूपरेखा तैयार की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनगणना के द्वितीय चरण के लिए दिए जाने वाले प्रशिक्षण से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने विशेष रूप से प्रशिक्षण स्थलों का चयन, वहां बैठने की व्यवस्था, खान-पान (पेयजल व भोजन) तथा बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त

जानकारियों से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए प्रशिक्षण को बेहद कुशल और प्रभावी तरीके से संचालित किया जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) / जिला जनगणना अधिकारी सहदेव मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी तथा सभ्य खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रोहा धाम के मंडी आदमपुर में विकास जैन का सम्मान, वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान

हरियाणा के श्री लक्ष्मी कला मंडल की रामलीला में हुआ सम्मान, ज्ञानेश कुमार जी के समर्थन और समाज की एकजुटता पर दिया जोर

में (आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के मतदाताओं को मतदान हेतु विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमत्य- जिला निर्वाचन अधिकारी (आधुनिक समाचार नेटवर्क) निर्देश दिए गए हैं। इसके क्रम में रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला



के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और समाज को संगठित करने का आह्वान किया गया। समिति अध्यक्ष निरंजन बंसल ने कहा कि वैश्य समाज को राजनीति और सत्ता में अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने विकास जैन के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज की एक

कि विकास जैन समाजसेवा और सामाजिक एकता के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं तथा वे हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे। अपने संबोधन में विकास जैन ने श्री ज्ञानेश कुमार जी के समर्थन में आवाज उठाते हुए कहा कि समाज को भ्रामक प्रचार का जवाब लोकांत्रिक तरीके से देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय केवल विकास जैन के काम की नहीं, बल्कि समाज और देश को कमजोर करने वाली बुराइयों

सम्मान, राजनीतिक भागीदारी और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संगठित होकर आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में नोएडा के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सुंदर लाल मितल और गौसेवक श्री भारत बंसल भी उपस्थित रहे। उन्होंने समाजहित के कार्यों में विकास जैन का साथ देने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम ने सामाजिक एकता, राजनीतिक सहभागिता और वैश्य समाज के सशक्त नेतृत्व का संदेश दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति (डी0सी0डी0सी0) की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में सहकारी समितियों को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं बहुउद्देशीय बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति (डी0सी0डी0सी0) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण, आधारभूत सुविधाओं के विकास, कृषि सेवाओं के विस्तार एवं रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देने से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जनपद रायबरेली की 188 बी-पैक्स, मत्स्य विभाग की 25 तथा दुग्ध विभाग की 306 समितियों की राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पर ऑनलाइन फीडिंग कराई जा चुकी है। नवगठित सहकारी समितियों के पंजीकरण हेतु ऑनलाइन व्यवस्था लेंस माध्यम से नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। सहकारी समितियों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए गोदामों एवं भवनों के निर्माण, मरम्मत तथा उपलब्ध भूमि के उपयोग पर विशेष बल दिया गया। विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत बी-पैक्स पश्चिम गांव में 500 मीट्रिक टन तथा बी-पैक्स घुरौना में 1000 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण से संबंधित

कार्यवाही प्रस्तावित है। इसके साथ ही अन्य समितियों में भंडारण सुविधाओं के विस्तार एवं भूमि संबंधी अभिलेखों को समितियों के नाम दर्ज कराने के विषय पर भी चर्चा की गई। नवगठित बी-पैक्स को सक्रिय



बनाने की दिशा में जनपद की 28 नवगठित समितियों में से 18 समितियों में उर्वरक लाइसेंस बनवाकर उर्वरक प्रेषण की कार्यवाही की जा चुकी है। खरीफ एवं रबी कृषि अभियानों के अंतर्गत किसानों को समय से कृषि निवेश उपलब्ध कराने के लिए समितियों के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत धान क्रय केन्द्रों के संचालन हेतु चयनित समितियों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में सहकारी समितियों को जनसेवा केन्द्र (सी0एस0सी0) के रूप में विकसित करने की प्रगति पर चर्चा की गई। जनपद में निर्धारित 122 समितियों के लक्ष्य के सापेक्ष 110 बी-पैक्स समितियां जनसेवा केन्द्र के रूप में कार्य कर रही

हैं। इनके माध्यम से मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन समितियों द्वारा अब तक लगभग 76.97 लाख रुपये का व्यवसाय किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पांच बी-पैक्स समितियों को प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु चयनित किया गया है। जिनमें से दो समितियों में दवाओं का क्रय-विक्रय प्रारंभ हो चुका है। सहकारी समितियों के माध्यम से पशु औषधि केन्द्र स्थापित करने, उचित मूल्य की दुकानों का संचालन, सहकारी उर्वरक एवं बीज विक्रय केन्द्रों को सुदृढ़ करने तथा समितियों के आधुनिकीकरण पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मत्स्य सहकारी समितियों के माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, उपयुक्त तालाबों एवं जलाशयों की पहचान करने तथा निष्क्रिय सहकारी समितियों के स्थान पर आवश्यकतानुसार नई समितियों के गठन के संबंध में भी चर्चा की गई। सहकारी समितियों की मरम्मत एवं

संयोजक डॉ. प्रमोद शर्मा ने प्रयागराज। जननायक कर्पूरी उक्त जानकारी देते हुए बताया नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में

मतदाता सूची में मामूली त्रुटियों के कारण किसी को मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा, समस्या आती है, तो वह कंट्रोल रूम नंबर 0535-2204086/2204089 पर कर सकता है संपर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 05 स्नातक एवं 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत 23 अक्टूबर, 2026 को होने वाले मतदान में मतदाता सूची में दर्ज विवरण में आंशिक लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों के आधार पर किसी भी मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई मतदाता मतदान केन्द्र पर

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत लोहार, कुम्हार, धोबी एवं बढ़ई ट्रेड के आवेदकों का साक्षात्कार 23 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मोर्य ने बताया है कि मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में संचालित रोजगारपरक योजनाओं में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के लक्ष्यों को सम्मिलित किया गया है, जिसके अंतर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में ट्रेडवार अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत लोहार, कुम्हार, धोबी एवं बढ़ई ट्रेड में ऑनलाइन प्राप्त

आवेदनों के आधार पर आवेदकों का साक्षात्कार कराया जा रहा है। इसी क्रम में लोहार, कुम्हार, धोबी एवं बढ़ई ट्रेड के सभी आवेदकों का साक्षात्कार 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग ने संबंधित सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ साक्षात्कार स्थल पर उपस्थित हों।

धान अस्वीकृत होने पर किसान 48 घंटे के भीतर कर सकेंगे अपील, गठित समिति करेगी पुनः गुणवत्ता परीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत धान खरीद के दौरान शासनदेश खाद्य तथा रसद अनुभाग-4 के प्रस्तर 13.3 में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में यदि किसी किसान का धान निर्धारित मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर अस्वीकृत किया जाता है और किसान इससे संतुष्ट नहीं है, तो वह संबंधित तहसील में कार्यरत क्षेत्रीय विपणन अधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है। उन्होंने बताया कि अपील के निस्तारण के लिए क्षेत्रीय विपणन अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति में संबंधित मंडी समिति के सचिव/ग्रेडर, केन्द्र प्रभारी तथा दो स्वतंत्र कृषक सदस्य होंगे। स्वतंत्र कृषक ऐसे होंगे, जिन्हें विगत वर्ष समिति ने नामित नहीं किया गया हो। समिति द्वारा अपील प्राप्त होने

के 48 घंटे के भीतर किसान की उपस्थिति में धान का पुनः विश्लेषण किया जाएगा तथा उसकी स्वीकार्यता के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि समिति में संबंधित तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी अध्यक्ष, संबंधित मंडी समिति के सचिव/ग्रेडर सदस्य, संबंधित केन्द्र प्रभारी (जिस केन्द्र पर धान अस्वीकृत किया गया) सदस्य तथा दो स्वतंत्र कृषक सदस्य के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि धान अस्वीकृत किए जाने की स्थिति में क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा रिजेक्शन रजिस्टर में धान विक्रेता का नाम, पुरा पता, मोबाइल नंबर, धान की मात्रा तथा अस्वीकृति का पर्याप्त एवं स्पष्ट कारण अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए। साथ ही, इसकी ऑनलाइन प्रविष्टि भी सुनिश्चित की जाए। निर्धारित मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर अस्वीकृत धान का नमूना संबंधित क्रय केन्द्र पर संरक्षित रखा जाएगा।

मतदाता सूची में मामूली त्रुटियों के कारण किसी को मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा, समस्या आती है, तो वह कंट्रोल रूम नंबर 0535-2204086/2204089 पर कर सकता है संपर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 05 स्नातक एवं 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत 23 अक्टूबर, 2026 को होने वाले मतदान में मतदाता सूची में दर्ज विवरण में आंशिक लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों के आधार पर किसी भी मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई मतदाता मतदान केन्द्र पर

आवेदनों के आधार पर आवेदकों का साक्षात्कार कराया जा रहा है। इसी क्रम में लोहार, कुम्हार, धोबी एवं बढ़ई ट्रेड के सभी आवेदकों का साक्षात्कार 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग ने संबंधित सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ साक्षात्कार स्थल पर उपस्थित हों।

सामाजिक चेतनामंच ने भाजपा प्रत्याशियों को दिया समर्थन, श्रीचंद शर्मा और दिनेश गोयल के पक्ष में मतदान की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भगवान परशुराम सेवा संस्थान द्वारा संचालित सामाजिक संगठन सामाजिक

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मेरठ जून प्रभारी पंडित राजेंद्र शर्मा एडवोकेट ने बैठक आयोजित की। बैठक में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों



के चुनाव को लेकर चर्चा की गई और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में संगठन की भूमिका तय की गई। इस दौरान शिक्षक क्षेत्र से श्रीचंद शर्मा और स्नातक क्षेत्र से दिनेश गोयल को समर्थन देने का निर्णय लिया गया। पंडित राजेंद्र शर्मा

चेतनामंच ने मेरठ शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशियों को समर्थन देने की घोषणा की है। संगठन ने शिक्षक क्षेत्र के प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा और स्नातक क्षेत्र के प्रत्याशी दिनेश गोयल के पक्ष में एकजुट होकर कार्य करने तथा उन्हें विजयी बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का संकल्प लिया। संगठन के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक एवं हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित के निर्देश पर संगठन के

एडवोकेट ने कहा कि संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोनों प्रत्याशियों के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से तन-मन-धन से सहयोग करने और अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचकर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कराने का आह्वान किया। संगठन ने संकल्प लिया कि मेरठ शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में दोनों प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

मिशन शक्ति के दौर में महिला शौचालय तक खराब ठेका मजदूर यूनियन ने सीजीएम अनपरा को दिया पत्रक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा/सोनभद्र। पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री महिलाओं वें सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति अभियान चला रहे हैं और जगह-जगह बड़े-बड़े कार्यक्रम किया जा रहे हैं। वहीं अनपरा 'डी' परियोजना में महिलाओं का शौचालय तक खराब पड़ा हुआ है। इस बाबत ठेका मजदूर यूनियन के जिला मंत्री तेजधारी गुप्ता ने मुख्य महाप्रबंधक, अनपरा तापीय परियोजना के कार्यालय में जाकर पत्र दिया। पत्रक में कहा गया कि ठेका मजदूर यूनियन के प्रयासों के बाद अनपरा 'डी' में महिला ठेका मजदूरों के शौचालय का निर्माण हुआ था। अभी हमारी यूनियन

की सूचना प्राप्त हुई है कि 'डी' परियोजना में क़शर हाउस के नीचे बना हुआ महिला शौचालय खराब पड़ा हुआ है। इसी प्रकार जीरी प्वाइंट पर टीपी-4 के पास शौचालय में दरवाजा टूटा हुआ है और पानी भी नहीं है। परिणामतः वह भी उपयोग में नहीं है। यूनियन ने कहा कि महिला मजदूरों के प्रति प्रबंधन की संवेदनहीनता गहरे दुख का विषय है और इसलिए प्रबंधन को मामले को संज्ञान में लेकर शौचालय के पुर्ननिर्माण कार्य को तत्काल कराने की कार्यवाई करनी चाहिए।

ताकि परियोजना में महिला मजदूरों का सम्मान सुरक्षित रहे सके।

ईसीसीई एजुकेटर एवं तकनीकी अनुदेशक के चयन में धनराशि वसूली के मामले में सेवा प्रदाता संस्था ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज कराई प्राथमिकी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में ईसीसीई एजुकेटर एवं तकनीकी अनुदेशक के चयन के नाम पर

रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सोनभद्र द्वारा



अज्ञात व्यक्ति द्वारा धनराशि वसूली जाने के संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो एवं समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के प्रकरण में चयनित सेवा प्रदाता संस्था मेसर्स मिश्रा सिक्वोरिटी सर्विसेज, लखनऊ द्वारा दिनांक 22 अक्टूबर, 2026 को थाना

अवगत कराया गया है कि संबंधित सेवा प्रदाता संस्था ने स्पष्ट किया है कि धनराशि वसूली के उक्त प्रकरण से फर्म/संस्था का कोई संबंध नहीं है और न ही धनराशि वसूलने वाले अज्ञात व्यक्ति से संस्था का कोई संबंध है।

वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए पोलिंग पार्टियां मतदेय स्थलों के लिए खाना, स्नातक निर्वाचन के लिए 21 तथा शिक्षक निर्वाचन के लिए 13 मतदेय स्थल निर्धारित निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए आज कलेक्ट्रेट परिसर से पोलिंग पार्टियां अपने निर्धारित मतदेय स्थलों के लिए खाना हुई। जनपद में स्नातक निर्वाचन के लिए 21 तथा शिक्षक निर्वाचन के लिए 13 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में पोलिंग पार्टियों को निर्वाचन

संबंधी आवश्यक सामग्री के साथ उनके निर्धारित मतदेय स्थलों के लिए खाना किया गया। मतदान प्रक्रिया दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 08:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक संपन्न होगी। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मिकों को निर्देशित किया कि विधान परिषद वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाए। सभी कर्मिक निर्वाचन आयोग के

दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी मतदेय स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाएं तथा निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

मतदाता सूची में छोटी-मोटी त्रुटियों पर नहीं रोका जाएगा मतदान, पात्र मतदाता कर सकेंगे मताधिकार का प्रयोग

23 अक्टूबर को विधान परिषद निर्वाचन: लिपिकीय त्रुटियों के कारण मताधिकार से वंचित नहीं होगा कोई मतदाता, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने दिए निर्देश, मतदाता की पहचान सुनिश्चित कर मतदान का अवसर देना होगा, लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों के कारण किसी मतदाता को मताधिकार से वंचित न किया जाए: जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ ने अवगत कराते हुए बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अन्तर्गत दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को होने वाले मतदान के दौरान मतदाता सूची में मतदाता के विवरण में आंशिक लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियां होने के आधार पर किसी भी मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। यदि कोई मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केन्द्र पर पहुंचता है और पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी को मतदाता सूची में उसके विवरण में लिपिकीय

अथवा मुद्रण संबंधी अशुद्धियां दिखाई देती हैं, तो ऐसी स्थिति



में मतदाता की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। यदि मतदान अधिकारी मतदाता द्वारा प्रस्तुत अनुमन्य दस्तावेजों अथवा मतदाता सूची में दर्ज अन्य विवरणों के आधार पर संतुष्ट हो जाता है कि संबंधित व्यक्ति वही मतदाता है, जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो ऐसी लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों को नजरअंदाज करते हुए उसे मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति प्रदान की जाएगी। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त उप

जिलाधिकारियों, पदनामित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

अधिकारियों एवं समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि मतदान प्रक्रिया के दौरान आयोग के उक्त निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों एवं मतदान कर्मिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि मामूली लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों के कारण किसी भी पात्र मतदाता को मतदान से वंचित न होना पड़े तथा मतदान प्रक्रिया सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत थाना जुगैल पुलिस की कार्यवाई, शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण करने के आरोप में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अभियोग पंजीकृत होने के 14 घंटे के भीतर अभियुक्त गिरफ्तार (आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक विवाहित पड़ोसी विशांत उर्फ विसंत पुत्र राम सुग्रीम, निवासी



सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण तथा महिला संबंधी अपराधों में सलिल अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सुश्री मेविस टोंक तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना जुगैल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। घटना का विवरण- दिनांक 21.10.2026 को थाना जुगैल पर एक 21 वर्षीय युवती द्वारा तहरीर दी गई कि उसके

ग्राम झरपिया, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र द्वारा दिनांक 06.10.2026 एवं 10.10.2026 को शादी करने का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया गया। उक्त तहरीर के आधार पर थाना जुगैल पर मु0अ0सं0-132/2026, धारा 69 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी का विवरण- मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही के क्रम में थाना जुगैल पुलिस द्वारा अभियुक्त विशांत उर्फ विसंत पुत्र राम सुग्रीम को दिनांक 22.10.2026 को समय लगभग 10:10 बजे जोरबा गेट, थाना जुगैल क्षेत्र से गिरफ्तार किया

माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-विशांत उर्फ विसंत पुत्र राम सुग्रीम, निवासी ग्राम झरपिया, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. प्रभारी निरीक्षक शिवप्रताप वर्मा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 2. उपनिरीक्षक मेराज खान, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 3. हेड कांस्टेबल शमशेर यादव, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 4. कांस्टेबल पवन कुमार यादव, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 5. महिला कांस्टेबल श्वेता उत्तम, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र।

राजधानी में किसानों को पुलिस ने रोका, लगा जाम, चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने निकले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। लखनऊ में चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने

जा रहे सोनभद्र वें किसानों को पुलिस ने सभा खड़ा गांव के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। मौके पर पहुंचे एडीसीपी साउथ

रत्नापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस ने किसानों को समझाकर ट्रैफिक सामान्य कराने की कोशिश की। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति (अ.रा.) के नेतृत्व में किसान सोनभद्र से लखनऊ पहुंचे हैं। किसान करीब 521 दिनों से चकबंदी में गड़बड़ी के खिलाफ धरना दे रहे थे। उनका आरोप है कि सोनभद्र जिले की घोराल तहसील के मंसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने गंभीर गड़बड़ी की है।

दूकटों से कल्लि पश्चिम के पीछे नहर के रास्ते वृंदावन मैदान पहुंचेंगे। इससे पहले कल्लि

पश्चिम के पास रोके जाने पर किसानों ने नारेबाजी की, जिससे सड़क पर जाम लग गया था। मौके पर एडीसीपी साउथ



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्वोरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्वोरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



स्पीटर्स



किचन-सिंक में कभी न डालें 10 चीजें, जमेगी गंदगी, पाइप होगा ब्लॉक, सिंक हाइजीन मेन्टेन करने के 7 टिप्स

नयी दिल्ली। किचन का सिंक घर की उन जगहों में से एक है, जिसका इस्तेमाल दिनभर होता है। सुबह की चाय से लेकर रात के बर्तनों तक, दिनभर न जाने कितना पानी और कचरा इसके रास्ते से गुजरता है। हममें

बैटर, अंडे के छिलके, कॉफी पाउडर, फल-सब्जियों के छिलके फूड स्टिकर, लेबल दवाइयां, पेट, क्रीच, अन्य केमिकल्स। ये 10 चीजें सिंक में डालने के नुकसान-तेल और घी ठंडा होकर जमता है। पाइप में परत बनाता

है। दरअसल, पाइप में समस्या तब नजर आती है, जब जमा हुई गंदगी पानी के बहाव को प्रभावित करने लगती है। इसलिए सिर्फ पानी का निकलना ही पाइप की सफाई का पैमाना नहीं है। सवाल- क्या दूध, दही और क्रीम जैसी चीजें भी पाइप में

सिंक ब्लॉकेज के शुरुआती संकेत



से ज्यादातर लोग बचा हुआ तेल, चायपत्ती, आटा, चावल या खाने के छोटे-छोटे टुकड़े सिंक में बहा देते हैं। उस वक्त लगता है कि पानी सब कुछ अपने साथ ले गया। लेकिन जो चीजें पानी के साथ बह जाती हैं, वे हमेशा पाइप से बाहर नहीं निकलतीं। कई बार ये पाइप में फंस जाती हैं या उसकी दीवारों पर जमने लगती हैं। धीरे-धीरे यही जमा कचरा बढ़ता और सिंक जाम होने जैसी समस्याओं की वजह बनता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में किचन सिंक ब्लॉकेज पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कौन-सी चीजें सिंक में नहीं डालनी चाहिए? किचन सिंक को जाम होने से कैसे बचाएं? सवाल- सिंक ब्लॉक क्यों होता है? जवाब- किचन सिंक की पाइपलाइन के अंदर समय के साथ गंदगी की लेयर जमा होने लगती है। यह लेयर पाइप का रास्ता धीरे-धीरे संकरा कर देती है। इससे पानी का बहाव कम होने लगता है और सिंक जाम हो जाता है। सवाल- हमारी किन गलतियों के कारण सिंक ब्लॉक हो सकता है? जवाब- किचन सिंक अचानक जाम नहीं होता। ज्यादातर मामलों में हमारी रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतें इसके जाम बनती हैं। इसे पॉइंटर्स से समझिए-बर्तनों को बिना साफ किए सीधे सिंक में धोना। इससे फ्लेट, कड़ाही और पैन में बचा खाना, तेल-घी और मसाले पाइप में जाकर चिपक सकते हैं। आटा गूंथने के बाद बचा आटा या चावल का पानी सिंक में डालना। इससे पाइप के अंदर धीरे-धीरे परत जम सकती है। सिंक में ड्रेन जाली न लगाना। इससे खाने के छोटे-छोटे कण सीधे पाइप में चले जाते हैं और समय के साथ उसमें जमा हो सकते हैं। सवाल- वो कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें भूलकर भी सिंक में नहीं डालना चाहिए? जवाब- कुछ चीजें पानी में फूल जाती हैं और कुछ चिपचिपी परत बना लेती हैं। यही वजह है कि घरेलू इस्तेमाल की चीजों को किचन सिंक में डालने से बचना चाहिए। ये 10 चीजें सिंक में कभी न डालें:- तेल और घी, बचा हुआ चावल, पास्ता और नूडल्स, चायपत्ती, आटा और

चायपत्ती पाइप में फंस जाती है। कॉफी पाउडर ग्रीस के साथ मिलकर ब्लॉकेज करता है। चावल पानी सोखकर फूलता है, पाइप ब्लॉक करता है। पास्ता और नूडल्स फूलकर ड्रेन में फंस जाता है। आटा पेस्ट बनकर पाइप में चिपक जाता है। अंडे के छिलके पाइप ब्लॉक कर देते हैं। फल-सब्जियों के छिलके ड्रेन जाम कर देते हैं। स्टिकर और लेबल पाइप में चिपककर रास्ता ब्लॉक कर देते हैं। हार्श केमिकल्स पाइप लाइन डैमज

किचन सिंक को ब्लॉकेज से बचाने के लिए क्या करें? जवाब- कुछ आसान आदतों से लंबे समय तक पाइपलाइन में ब्लॉकेज की समस्या नहीं होती, जैसेकि- ड्रेन पर जाली लगाएं। बर्तन धोने से पहले खाने के बचे टुकड़े कूड़ेदान में डालें। इस्तेमाल किया हुआ तेल और घी अलग कंटेनर में जमा करें। चायपत्ती और कॉफी पाउडर को सिंक में न बहाएं। पानी का बहाव धीमा हो तो ही समस्या की जांच करें। सवाल- किचन सिंक की सफाई



होती है। सवाल- इन 10 चीजों को डिस्पोज करने का सफेद तरीका क्या है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- तेल और घी ठंडा होने पर किसी बोतल या कंटेनर में जमा करें और सिंक में फेंके। चायपत्ती कम्पोस्ट में डालें या गीले कचरे के साथ डिस्पोज करें। कॉफी पाउडर कम्पोस्ट या गीले कचरे में डालें। चावल गीले कचरे के साथ फेंके, सिंक में न बहाएं। आटा कूड़ेदान में डालें। इसे पानी के साथ न बहाएं। पास्ता और नूडल्स गीले कचरे में डिस्पोज करें। अंडे के छिलके कम्पोस्ट या कूड़ेदान में डालें। फल-सब्जियों के छिलके का कम्पोस्ट बनाएं या गीले कचरे में फेंके। स्टिकर और लेबल सूखे कचरे के साथ डिस्पोज करें। दवाइयां और वेगमिकल्स अलग से डिस्पोज करें, सिंक या टॉयलेट में न डालें। सवाल- क्या पानी आसानी से निकल रहा है, फिर भी पाइप के अंदर गंदगी जमा हो सकती है? जवाब- हां ऐसा हो सकता है। पाइप के अंदर गंदगी, ग्रीस और अन्य कण धीरे-धीरे जमा हो सकते हैं, जबकि ऊपर से पानी सामान्य रूप से बहता हुआ दिखाई देता

भारतीय तैराक़ पर होटल स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप, जापान में पैरा एशियन गेम्स से वापस भेजा

स्पोर्ट डेस्क। पैरा एशियन गेम्स में हिस्सा लेने गए भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख

हाउसकीपिंग स्टाफ की एक महिला कर्मचारी को गलत तरीके से छुआ, अश्लील इशारे किए

अपने परिवार के साथ रहते हैं। 2018 पैरा एशियन गेम्स में जीते 2 गोल्ड मेडलशेख ने 2018 में



को जापान से वापस भेज दिया गया है। उन पर नागोया के होटल में महिला हाउसकीपिंग कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं। मामला सोमवार 19 अक्टूबर का है। आलम शेख को मंगलवार 20 अक्टूबर को डिपोर्ट किया गया। मामले की जानकारी गुरुवार को बाहर आई। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) शम्स आलम पर लाइफ टाइम बैन लगाने पर विचार कर रही है। 3 पॉइंटर्स में जानिए शम्स पर क्या आरोप लगे हैं-स्थानीय आयोजन समिति ने चीफ-डी-मिशन को सूचित किया कि होटल में यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ की घटना हुई है। स्थानीय पुलिस ने एक भारतीय एथलीट को हिरासत में ले लिया है। जब हम होटल पहुंचे, तब पुलिस और होटल के अधिकारी यहां मौजूद थे। हमें बताया गया कि एथलीट ने

और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। भारतीय दल ने लिखित माफी मांगी-शिकायत मिलने के बाद जापान की पुलिस ने 40 साल के शेख को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस ने गिरफ्तारी और मामले को अदालत के सामने पेश करने की मांग की थी। इसके बाद स्थानीय आयोजन समिति ने हस्तक्षेप किया। भारतीय दल की तरफ से महिला कर्मचारी को लिखित माफी देने और खिलाड़ी को जापान से वापस भेजने की व्यवस्था करने को कहा गया। अधिकारी के मुताबिक, शेख को रात बिताने के लिए दूसरे होटल में भेजा गया और मंगलवार को नागोया से भारत रवाना कर दिया गया। कौन हैं मोहम्मद शम्स आलम शेख-मोहम्मद शम्स आलम शेख बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले हैं और मुंबई के धारावी इलाके में

इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियन पैरा गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस प्रतियोगिता में उन्होंने 200 मीटर और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीते थे। इंटरनेशनल गेम्स 2025 में रिकॉर्ड भी बनाया 2025 में आइसलैंड के रेक्याविक में हुए इंटरनेशनल गेम्स में शेख ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीता था। इस दौरान उन्होंने भारतीय और एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए थे। 2026 एशियन पैरा गेम्स में लेने वाले थे हिस्साशेख जापान के नागोया में होने वाले 2026 एशियन पैरा गेम्स में लगातार तीसरी बार हिस्सा लेने वाले थे। हालांकि, आरोपों के बाद उन्हें प्रतियोगिता से लौटना पड़ा। शेख पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाय एस5 और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी4 स्पर्धाओं में दुनिया के नंबर-1 तैराक रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शट दो मैचों के लिए बैन, तेज गेंदबाज ने अपनी गलती पर माफी मांगी, दवा से जुड़े नियम तोड़े

स्पोर्ट डेस्क। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों

बैन की जानकारी दी। शट ने सजा स्वीकार कर ली है। दो मैचों का बैन इंटरनेशनल और



के लिए बैन कर दिया है। उन्होंने प्रिस्क्रिप्शन दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई टीम के बांग्लादेश दौरे से पहले हुई थी। दवा प्रदर्शन बढ़ाने वाली नहीं थी। 33 साल की शट आज तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ और डब्ल्यूबीबीएल में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले मैच में नहीं खेलेंगी। स्ट्राइकर्स का मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न स्टार्स से होगा। शट ने सजा स्वीकार की-क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को जारी बयान में

डोमेस्टिक दोनों क्रिकेट पर लागू होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, नियमों का उल्लंघन स्पोर्ट्स साइंस एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन गाइडलाइंस के तहत प्रिस्क्रिप्शन दवा से जुड़ी जरूरतों का पालन नहीं करने के कारण हुआ। मेगन शट ने माफी मांगी-शट ने अपने बयान में कहा, मैं दी गई सजा को पूरी तरह स्वीकार करती हूं और अपने से तय मानकों का पालन नहीं कर पाने के लिए माफी मांगती हूं। मुझे मिले सहयोग की मैं सराहना करती हूं। शट ने 2012 में डेब्यू

किया था-मेगन शट ने दिसंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी सिंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ के लिए जानी जाती हैं। शट के करियर रिकॉर्ड्स-2013 वनडे वर्ल्ड कप: भारत में हुए वर्ल्ड कप में 15 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने खिताब जीता। 2018 टी-20 इंटरनेशनल: भारत के खिलाफ हैट्रिक ली। 2019 वनडे इंटरनेशनल: वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में भी हैट्रिक लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट में दो हैट्रिक लेने वाली पहली महिला गेंदबाज बनीं। 2020 टी-20 वर्ल्ड कप: 13 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। फाइनल में भारत के खिलाफ 18 रन देकर 4 विकेट लिए। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स: बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया की गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं। 2025 टी-20 इंटरनेशनल: इस फॉर्म में 150 विकेट लेने वाली पहली महिला गेंदबाज बनीं। अक्टूबर 2026: बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में नौवें नंबर पर पहुंचीं।

बांग्लादेश ट्राई सीरीज से बाहर, अफगानिस्तान की लगातार दूसरी जीत, राशिद खान के 4 विकेट, रहमत शाह की नाबाद फिफ्टी

स्पोर्ट डेस्क। अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज में बुधवार रात बांग्लादेश पर 7 विकेट की जीत दर्ज की। यह अफगानी टीम की लगातार दूसरी जीत है। इसी के साथ बांग्लादेश बाहर हो गए। शारजाह में बांग्लादेश की टीम 160 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 35.3 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल मैच अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच 23 अक्टूबर को खेला जाएगा। राशिद खान को लगातार दूसरे मैच में 4 विकेट मिले हैं। उन्होंने 2 दिन पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 4 विकेट दिए थे। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को 160 रन पर

रोक दिया। अजमतुल्लाह ओमरजई और यामिन अहमदजई ने 2-2 विवेक चटकाए। बांग्लादेश के लिए विकेटकीपर परवेज हुसैन एमॉन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। हालांकि, उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। बांग्लादेश के बल्लेबाज नहीं चले-सैंफ हसन ने 41 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 82 गेंद खेलीं। ओपनर तजिद हसन तमीम सिर्फ 1 रन बना सके। सौम्य सरकार पहली ही गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गए। कप्तान तौहिद हदय भी खता नहीं खोल सके। नजमुल हुसैन शांतो ने 15 रन बनाए। मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर परवेज हुसैन इमॉन ने अर्धशतक लगाकर एक छोर संभाले रखा। दूसरे छोर पर मेहदी हसन मिराज

2 और शोरिफुल इस्लाम 7 रन बनाकर आउट हो गए। अलिस अल इस्लाम भी खता नहीं खोल पाए। रहमत शाह और हशमतुल्लाह ने दिलाई जीत-160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर रहमतुल्लाह गुरबाज 6 रन बनाकर आउट हो गए। इब्राहिम जादरान ने 34 रनों की पारी खेली। पिछले मैच में शतक लगाने वाले सैदिकुल्लाह अटल इस मैच में 4 रन ही बना सके। इसके बाद कप्तान रहमत शाह ने नाबाद अर्धशतक लगाया। हशमतुल्लाह शाहिदी ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी कर अफगानिस्तान को 7 विकेट से जीत दिला दी।

पैरा एशियन गेम्स में भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण, शीतल-तोमर ने आर्चरी में दिलाया, सुवर्णा ने विमेंस डिस्कस थ्रो में सोना जीता

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने महिलाओं के वॉ पाउंड

और निचले अंगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ये खिलाड़ी थोड़ा चेंयर से मुकाबला करते हैं। तीरंदाजी: भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशियाई पेयर को हराया-



इंडिविजुअल इवेंट में सोना जीता। इससे पहले शीतल और तोमर कुमार की जोड़ी ने मिक्स्ट आर्चरी में गोल्ड दिलाया था, जबकि सुवर्णा राज ने महिला डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स के चौथे दिन भारतीय

शीतल देवी और तोमर कुमार ने कंपाउंड मिक्स्ट टीम इवेंट में गोल्ड जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इंडोनेशिया की थियोडोरा ऑडी ऑडिया फेरैली और कैन सायुमिलिंग को 151-148 से हराया। पहले चार तीर के सेट के बाद भारतीय जोड़ी



खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड और 8 ब्रॉन्ज सहित 11 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में पांचवें स्थान पर है। उसके अब 17 गोल्ड, 22 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज सहित कुल 73 मेडल हो गए हैं। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने गोल्ड मेडल जीत लिया। उन्होंने महिलाओं के वॉ पाउंड इंडिविजुअल फाइनल में सिंगापुर की नूर आलिम स्याहिदाह को 142-139 से हराया। एथलेटिक्स : सुवर्णा ने 15.66 मीटर डिस्कस फेंका-सुवर्णा ने महिला डिस्कस थ्रो की एफ54 कैटेगरी में 15.66 मीटर थ्रो किया। उन्होंने छह प्रयासों में चार बार 15 मीटर से ज्यादा की दूरी तय की।

इरान की शाहला हदीदी 15.45 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वियतनाम की थी नोक थुई गुयेन ने 14.65 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। एफ54 कैटेगरी में ऐसे खिलाड़ी आते हैं, जिनके धड़ के पास एक अंक की बढ़त थी। दूसरे सेट के बाद यह बढ़त 4 अंक हो गई। तब भारत का स्कोर 77 और इंडोनेशिया का 73 था। तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी के चारों तीर 9 अंक पर लगे। हालांकि, आखिरी सेट में दोनों ने फिर 38 अंक हासिल किए और गोल्ड अपने नाम किया। तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 कैटेगरी में पहली बार मेडल आया-स्वाति चौधरी ने एशियन पैरा गेम्स में तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 कैटेगरी में भारत का पहला मेडल जीता। मेरठ की स्वाति चौधरी को विमेंस इंडिविजुअल फाइनल में चीन की सेन मंगकान से 4-6 से हार मिली।

इस जीत के साथ स्वाति ने सिल्वर और सेन ने गोल्ड मेडल जीता। सेन दुनिया की 23वें नंबर की तीरंदाज हैं। वे ओलंपियन सत्यदेव प्रसाद के मार्गदर्शन में मेरठ की गुरुकुल आर्यरी एकेडमी में ट्रेनिंग करती हैं।

बीसीसीआई प्रेसिडेंट बोले- रोहित-विराट का चयन उम्र देखकर नहीं, वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम

स्पोर्ट डेस्क। बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पोर्ट्सटार को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे। मन्हास ने कहा- दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे-मिथुन मन्हास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में

चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए। रोहित-विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के टॉप-3 स्कोरर में शामिल हैं। वर्ल्ड कप के समय किन्तनी होगी रोहित-विराट की उम्र-रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 साल के होंगे। पूर्व क्रिकेटर और फैंस ने भारत के ट्रांजिशन प्लांस पर सवाल उठाए हैं। यह भी चर्चा है कि आने वाले वर्षों में दोनों सीनियर खिलाड़ियों की क्या भूमिका होगी।

निजता को बनाए रखें और? गोपनीयता पर सजग रहें?

वैसे तो हर व्यक्ति रहस्यमयी है। वह क्या सोच रहा है और आपके साथ उसका क्या व्यवहार है, उग्र बीत जाती है और आप जान नहीं पाते हैं। गहन संबंधों में भी यह बात चलती है। दो शब्द हैं- निजता और गोपनीयता। सबसे निकट का संबंध है पति-पत्नी का। इन दोनों के बीच भी

यह स्थिति बनती है। इस रिश्ते में गोपनीयता होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन स्त्री और पुरुष की निजता बची रहनी चाहिए, क्योंकि हर मनुष्य स्थान और इंसान के मामले में निजता चाहता है।

समझदार जोड़े एक-दूसरे के प्रति गोपनीयता नहीं रखते।

200फीसदी पारदर्शिता का रिश्ता है यह। लेकिन एक-दूसरे की निजता का अत्यधिक मान भी करते हैं, क्योंकि निजता का संबंध कहीं ना कहीं आत्मसम्मान से भी है।

हम बुद्ध के उदाहरण से समझ सकते हैं। बुद्ध अत्यधिक रहस्यमयी थे, लेकिन डरावने

नहीं थे। वे उतने ही दयालु थे। हम जब भी सार्वजनिक जीवन में हों,

पारिवारिक जीवन में रहें, अपनी और दूसरों की निजता बनाए रखें और गोपनीयता कहां आवश्यक है और कहां नहीं, इसके प्रति भी जागरूक रहें। पं. विजयशंकर मेहता

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह



समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती हैं। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ

लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग

मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की हैं। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी

सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। (प्रोजेक्ट सिडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग)

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक

में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटरस

में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही

वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से



सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं का अयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटरस की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफाई देने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका को दबाव में इस साल के बजट

स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पैमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा की कंपनियां सात सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत

हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटरस से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक विकास से भ्रामंजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख़ाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटरस की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटरस में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक वे अपने विचार हैं,विराम गुप्ता)

गस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटरस की वजह से भ्रामंजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख़ाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटरस की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटरस में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक वे अपने विचार हैं,विराम गुप्ता)

बहुत सारे नए रोजगार भी क्रिएट करेगा एआई

तो क्या एआई हमारी नौकरियां खाने जा रहा है? अभी तो कोई नहीं जानता कि यह

पैदा होने वाले नए डेटा के प्रति एडाप्टिव भी हों। एआई को अपनाने में बाधा डालने वाला एक अन्य

प्रोडक्टिविटी में वृद्धि है (यह नहीं कि यह मानव-श्रम की तुलना में सस्ता पड़ता है), तो कंपनियों की



कितनी तेजी से होगा, कितना व्यापक होगा और इसका सबसे अधिक असर किन सेक्टरस पर पड़ेगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि अलग-अलग कंपनियां इस तकनीक को अपने कामकाज में कितनी तेजी से लागू करती हैं।अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के हालिया बिजनेस ट्रेंड्स एंड आउटलुक सर्वे के अनुसार, 20 से कम कर्मचारियों वाली केवल 20इ कंपनियां ही वर्तमान में एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि कम से कम 250 कर्मचारियों वाले 37फीसदी कंपनियां इस तकनीक का अधिक उपयोग कर रही हैं, लेकिन 37फीसदी का आंकड़ा भी कम ही है। फिलहाल, एआई को अपनाने की राह में एक बड़ी बाधा यह है कि पहले से ही असाधारण क्षमताओं वाली इस तकनीक को मौजूदा वर्कफो में इस तरह से कैसे समायोजित करें कि कंपनियां उसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके लिए ऐंसे मॉडल जरूरी हैं, जो न केवल मौजूदा डेटा पर प्रशिक्षित हों, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल से

फैक्टर लागतों को लेकर अनिश्चितता है। कई बड़ी कंपनियां अभी भी पायलट प्रोजेक्ट चला रही हैं और नियुक्ति या छंटनी के फैसले टाल रही हैं, क्योंकि वे स्थिति के और स्पष्ट होने का इंतजार कर रही हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उन्हें इस तकनीक को अपनाने के लिए मजबूर करेगा ही। इसके बावजूद, रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। अगर कंपनियां वही वस्तुएं बनाती और वही सेवाएं उपलब्ध कराती रहती हैं- जो वे अभी करती हैं- तो एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। हां, कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव और दिलचस्प भी होंगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई ऊबाऊ और दोहराव वाले कामों को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें इंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं। साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के इंप्लीमेंटेशन की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, अगर एआई को अपनाने की वजह

कम लागत में अधिक उत्पादन करने की क्षमता उन्हें कीमते घटाने और बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रसिद्ध जेव्सन-इफेक्ट है और इससे रोजगार भी बढ़ने चाहिए। आशावादी होने का एक और कारण यह है कि एआई नए बिजनेस खड़े करने में मदद कर सकता है। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति फर्नीचर बनाने का कारोबार शुरू करना चाहता है, लेकिन वह इसलिए हिचकिचाता है क्योंकि इसके लिए उसे एक वेब-प्रोग्रामर और अकाउंटेंट की जरूरत है। अगर एआई ये दोनों भूमिकाएं निभा सके, तो शायद वह काफी कम लागत में एकल स्वामित्व वाला व्यवसाय शुरू कर सकता है। महामारी के दौरान स्टार्टअप की संख्या पहले ही काफी बढ़ गई थी और हाल की तिमाहियों में इसमें और वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्री डेविड ऑटर बताते हैं कि एआई मध्यम कौशल वाले कामगारों को हाई-स्किल्स से लैस कर सकता है। इसका उदाहरण कोई नर्स प्रैक्टिशनर है, जो मेडिकल एआई की मदद से कहीं अधिक बीमारियों की पहचान और इलाज कर सकती है। दुनिया भर में चिकित्सा-सेवाओं की भारी मांग को

देखते हुए इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करने की काफी गुंजाइश है। यह समझते हुए कि एआई के कारण नौकरियों के संकट का पहला दौर आखिरी नहीं होगा, कंपनियों को समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और जहां तक संभव हो, उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। सरकारें कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए टैक्स-क्रेडिट पर विचार कर सकती हैं, जिसमें कर्मचारी के काम पर बने रहने पर हर साल प्रशिक्षण की लागत का एक-तिहाई इस्तेमाल किया जा सके। अगर सरकार ऐसी नीति अपनाएने वाली कंपनियों पर लागू करना चाहती है, तो वो यह भी कर सकती है कि इस क्रेडिट का इस्तेमाल केवल टोकन टैक्स की भरपाई के लिए हो। हालांकि, कर-प्रोत्साहनों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां स्वीकारें वे अपने कर्मचारियों को अनिश्चित भविष्य से निपटने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी एके एम्प्लॉयर के यहां नौकरी स्वीकार करने को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जो जब चाहे उन्हें नौकरी से निकाल सकता है। जो एम्प्लॉयर अपने कर्मचारियों को सहयोग देने का वादा करेंगे, उन्हें अंततः एक अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है : उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो उनके पास चुनने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा पूल होगा। भविष्य निराशाजनक नहीं है-रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव भी होंगी। नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की। रघुराम राजन

मुनाफा तय न करे कि कौन-सी जांच हो और कौन-सी दवा दें

भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से

निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये है, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते। इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार

कि पूंजी से मिलने वाले लाभ की अपेक्षा कहीं चिकित्सा निर्णयों को प्रभावित न करने लगे। स्वास्थ्य-सेवा सामान्य बाजार नहीं है। बीमार व्यक्ति कार या मोबाइल खरीदने वाले ग्राहक की तरह अलग-अलग दुकानों में कीमतों की तुलना नहीं कर सकता। अस्पताल ही काफी हद तक तय करता है कि मरीज का क्या इलाज करना है।एमआरआई जरूरी है या नहीं, भर्ती दो दिन और चले या

हैं जिनसे मरीज को जीवनभर कोई नुकसान नहीं होता। फिर उनके पीछे नई जांचें होती हैं। सामान्य सीमा के आसपास की स्थिति बीमारी घोषित हो सकती है। जिसे घर पर दवाओं व निगरानी से संभाला जा सकता था, वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है। जहां इंतजार और निगरानी उचित थी, वहां प्रक्रिया की सलाह दी जा सकती है। सी जे रियन ऑपरेशन, एंजियोप्लास्टी, आईसीयू भर्ती,



बढ़ाना शामिल है। एक सुझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते। इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार

नहीं, एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है या दवाओं से इलाज हो सकता है- इन फैसलों में डॉक्टर और अस्पताल के पास मरीज से कहीं अधिक जानकारी होती है।

यह स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी इन्फॉर्मेशन एसीमेट्री या ज्ञान-असमानता है, जिसके बारे में अर्थशास्त्री लुब्बे समय से बताते रहे हैं।कॉर्पोरेट अस्पतालों में महंगी तकनीक, नामी विशेषज्ञ और बेहतर सुविधाएं गुणवत्ता बढ़ा सकती हैं।

लेकिन इनकी लागत भी वसूलनी होती है। संस्थानों पर लगातार बेड़ भरने, प्रति मरीज आय बढ़ाने या अधिक जांचें कराने का दबाव होता है। अधिकांश डॉक्टर मरीज का हित ही चाहते हैं, लेकिन संस्थागत प्रोत्साहन चिकित्सकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

यहाँ से 'ओवर-मेडिकलाइजेशन' की समस्या शुरू होती है। अधिक जांचें ऐसी छठी असामान्यताएं पकड़ सकती

डायग्नोस्टिक पैकेज और लंबी दवा-सूचियों पर इसलिए केवल व्यक्तिगत चिकित्सकीय फैसलों के रूप में नहीं, बल्कि पुरे स्वास्थ्य-तंत्र के प्रोत्साहनों के संदर्भ में भी विचार होना चाहिए। हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश चाहिए। मुनाफा कमाना भी अपराध नहीं है।सीमा वहां खिंचनी चाहिए,

जहां मुनाफे की अपेक्षा यह तय करने लगे कि कौन-सी जांच होगी, कौन-सी दवा लिखी जाएगी और कौन-सी प्रक्रिया की जाएगी।

स्वास्थ्य-व्यवस्था की सफलता अस्पतालों में आए निवेश या मेडिकल टूरिज्म की वृद्धि से नहीं मापी जानी चाहिए। असली कसौटी यह है कि मरीज अस्पताल में इस भरोसे से प्रवेश कर सके कि उसे उतना ही इलाज मिलेगा, जितना जरूरी है- न उससे कम, न अधिक। (ये लेखक के अपने विचार हैं) डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2003 में अल-कायदा से संबंधित के कारगार भारत में मौजूद डी-कंपनी के सरगना को अपनी प्रतिबद्धता सूची में शामिल किया था। यरुशलेम में कहा कि डी-कंपनी को भारत में मौजूद संपन्न जाति से लोगों के सम्पत्ति गलत तस्वीर बनाते हैं। दाऊद ज़क़िया और उसका गिरोह 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े मामले में भारत में बैठे हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता में भी दाऊद से जुड़ी जानकारी दी गई है। यरुशलेम में दाऊद के भारत छोड़ने की बात रिपोर्ट में नज़र आई। यरुशलेम में कहा कि दाऊद 2003 में संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल किए जाने से काफी पहले भारत छोड़ चुका था।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
ड. पुनीत अरोरा
मो. नं. 09415608710
RNNIO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित सम्पत्ति समाचारों के
चयन एवं सम्पादन हेतु
पीओएणबी0 एक्ट के अन्तर्गत
उत्तरदायी तथा इनसे उपपन्न
सम्पत्ति विवाद इलाहाबाद
न्यायादर के अधीन ही होगा।